Date :

HISTORY (H)
B.A. – III.
PAPER – Vth.

HISTORY OF INDIA (1580–1750)

C. State and Religion.

Aurangzeb's relation with religious group and Institutions.

औरंगजेब की धार्मिक नीति

इन सभी विद्रोहों में साम्राज्य की शांति को नष्ट कर दिया। इसकी अर्थव्यवस्था को बाधित कर दिया। प्रशासनिक ढांचे को कमजोर कर दिया, इसकी सैन्य विफलता का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। अंततः इन सभी ने मुगल उद्यम के पतन में योगदान दिया।

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

समीक्षा:

=> क्या औरंगजेब वास्तव में हिन्दू विरोधी था?

कुछ इतिहासकारों ने औरंगजेब की धार्मिक नीति को सही ठहराने की कोशिश की है। वे कहते हैं कि यह नीति उनके राजनीतिक और आर्थिक विचारों का परिणाम थी। वह एक साम्राज्यवादी था और वह अपने विषयों पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता था। चूँकि हिन्दू समाज के कई वर्गों ने जो अपने अधिकांश विषयों का गठन किया। वे उसके द्वारा शासित नहीं होना चाहते थे, इन्होंने विद्रोह कर दिया।

हिन्दुओं पर लगाये गए विशेष करों के बारे में यह तर्क दिया जाता है कि औरंगजेब इस्लाम की नीति को पूरा करने के लिए

Scanned with CamScanner

Date :

धन की आवश्यकता थी। इसलिए उन्होंने विभिन्न प्रकार के कर लगाये। चूँकि हिन्दू काफी समृद्ध थे, इसलिए उन्हें विभिन्न करों का बोझ उठाना पड़ा। लेकिन इस दृष्टिकोण के विरोधियों द्वारा कोई तर्क सामने नहीं रखा गया है क्योंकि उन्होंने मंदिरों को ध्वस्त करने और मूर्तियां को तोड़ने के लिए पीड़ा उठाई।

अपने बेटों को उनके द्वारा लिखे गए निम्न पत्रों को इस तथ्य को स्पष्ट स्थापित करते है कि वह एक कट्टर मुसलमान थे और वे धर्म का प्रचार करना चाहते थे।

i) प्रिंस मुअज्जम को पत्र :-

" मेरे वर्ष लाभहीन हो गए है। भगवान में दिल में रह रहे है लेकिन अभी तक मेरी आँखों के प्रकाश में

SELCO

Date :

उनकी रोशनी को नहीं पहचाना है। भविष्य में मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है, आपको मेरी अंतिम इच्छा को स्वीकार करना चाहिए। ऐसा न हो कि मुसलमानों को मार दिया जाए और मौत का दाग इस बेचारे जीव पर लग जाए। मैंने बहुत पाप किया है और नहीं जानता कि क्या पीड़ा मुझे इंतजार करवाती है। मैं आपको और आपके बेटे को भगवान की देखभाल के लिए प्रतिबद्ध करता हूँ और आपको विदाई देता हूँ। भगवान की शांति आप पर हो।

3) प्रधानमंत्री आजम को पत्र:-

"मुझे पता है कि मुझे भुगतने के लिए क्या सजा है यद्यपि मेरा भरोसा भगवान की भलाई की दया में है, मैं अपने पापों को मिटा देगा।

Date : ________

जब मैंने खुद मे उम्मीद रखकर
की है, तब मैं दूसरों से ऐसे
उम्मीद कर सकता हूँ, और
मैं अपनी चाल पानी पर आरम्भ
विदाई नविदाई :-

DR. UDAY KUMAR
DR. L.K.V.D. college Tajpur